काम्भोजि रागम् आदि ताळम्

पल्लवि
नॆ धन्यनैतिनॆ जगत्प्रभो साधुलोकप्रभो

अनुपल्लवि
माधव चरणारविन्द मकरन्दमु ग्रोलगल्गि

चरणम्–१
अद्वितीयाखण्ड परिपूर्णानन्द वारधिलोन
चिद्विलासोल्लासिवै रञ्जिलजेसि नन्नुडासि
हितवाक्यमु लुपदेशिञ्चुटचे विद्वन्नुत
शङ्कर विश्वेश शम्भोमहादेव

चरणम्–२
स्वामी नॆ नीचेविन्न ई चरितमु नवरसभरितमु
वेमारु दीनि विनबल्कु श्रीमहिळाभिरामुडैन
शेषाद्रिधामुडैन श्रीरामुनि देवता
सार्वभ्ॐउनि नी वलन देलिसि